

5/11/25

पत्राण पैश दुई। बकुं उप। शेष प्रतिवादीगणों की
तलवी को मौज चाहा गया। पूर्व में अनेक
अवसर दिये जा चुके हैं। अतः अब और
अवसर दिया जाना व्यापकित नहीं है। अतः
पत्राण अदम पैरवी इसी स्तर पर खारिज की
जानी है। पत्राण फैसल शुमार होकर नंबर
से कम की जाकर दारिजल दफ्तर हो।

